झुनझुनी दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति

मेरठ शहर देश की राजधानी दिल्ली के परिक्षेत्र में स्थित शहर है, सदियों से यह शहर बड़े शहरों के लिए गाँव से कृषि उत्पादों की आपूर्ति का पारंपरिक हिस्सा रहा है। मेरठ दूध उत्पादन में एक धनी क्षेत्र रहा है, परंतु पुराने समय में छोटे व्यापारियों और शक्तिशाली ठेकेदारों एवं निजी डेरियों द्वारा दूध उत्पादकों का शोषण किया गया है। पुराने समय में बिचौलिए हमेशा अधिक लाभ कमाते रहे हैं वही ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती गई। गंगोल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिडेट का गठन सन् 1980 में किया गया था। 1980 से 1986 तक दुग्ध संघ का कार्य फीडर संतुलन डेरी (Feeder Balancing Dairy) द्वारा देखा गया, परंतु 1986 में दुग्ध संघ के चुनाव के बाद गंगोल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ द्वारा प्रत्यक्ष नियंत्रण में निर्वाचित बोर्ड की देखरेख में कार्य शुरू किया गया।

गंगोल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों के साथ अस्तित्व में आया :

- सदस्यों से दूध इकट्ठा करने के लिए।
- अधिक दूध उत्पादन करने में सहयोग करना।
- समुचित दूध उत्पादकों के वित्तीय और सामाजिक विकास पर गौर करना।
- समय - समय पर दूध उत्पादकों के हित में सरकार की नीतियों को लागू करना।

राष्ट्रीय डेरी योजना I (NDP I) के अंतर्गत दुग्ध संघ में गाँव आधारित दूध अधिप्राप्ति प्रणाली (VBMPS), आहार संतुलन कार्यकम (Ration Balancing Programme) एवं चारा विकास कार्यक्रम (Fodder Development Programme) उप-योजना का कार्यान्वयन दुग्ध संघ में किया जा रहा है। अभी तक गाँव आधारित दूध अधिप्राप्ति प्रणाली उप-योजना के अंतर्गत दुग्ध संघ ने 130 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। सभी दुग्ध समितियों का गठन आणंद पद्धति के आधार पर किया गया है।

झुनझुनी दूध उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड का प्रारम्भ राष्ट्रीय डेरी योजना I (NDP I) के गाँव आधारित दूध अधिप्राप्ति प्रणाली (VBMPS) उप-योजना के अंतर्गत 17 जुलाई 2014 को मेरठ दुग्ध संघ के कार्यक्षेत्र में किया गया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकतर गाँव में निजी डेरियों एवं दूधियों की मौजूदगी है, जिससे वे सहकारी समितियों के किसानों को अधिक दाम का लालच देकर प्रतिस्पर्धा करते हैं और समय-समय पर निजी डेरियों एवं दूधियों, किसानों का शोषण भी करते हैं। झुनझुनी गाँव में भी विभिन्न दूधियों की निजी एवं प्राइवेट डेरिया हैं, मेरठ दुग्ध संघ के क्षेत्र पर्यवेक्षकों ने गाँव के सर्वेक्षण में पाया कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद गाँव में बेचने योग्य दूध की उपलब्धता है एवं किसानों से चर्चा कर राष्ट्रीय डेरी योजना के अंतर्गत महिला समिति खोलने का प्रस्ताव रखा गया, ताकि महिलाओं को जोड़ कर सहकारी समिति को मजबूत बनाया जा सके।

गाँव में समिति खोलने के कुछ माह बाद डी.पी.एम.सी.यू., डाटा प्रॉसेसर दूध संग्रह यूनिट (DPMCU) उपलब्ध कराया गया, जिससे दूध उत्पादक के सामने दूध की गुणवत्ता की जाँच एवं दूध मूल्य का भुगतान उसकी गुणवत्ता के आधार पर किया जा सके। साथ ही साथ क्षेत्र पर्यवेक्षकों ने आणंद माडल के अंतर्गत समितियों से दुग्ध उत्पादकों को होने वाले फायदों एवं अन्य सुविधाओं जैसे पशु आहार की व्यवस्था, मिनरल मिक्सचर, थनैला की रोकथाम, पेट में कीड़े मारने की दवा एवं जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया।

प्रथम दिन समिति ने 08-10 लीटर दूध एकत्र किया एवं धीरे-धीरे गाँव के अन्य उत्पादक बन्धु भी जुड़ने लगे। वर्तमान में झुनझुनी समिति दूध उत्पादकों से सुबह-शाम 125 लीटर एकत्र कर रही है। दूध उत्पादकों को जागरूक करने के लिए महिला प्रसार अधिकारी एवं क्षेत्र पर्यवेक्षकों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वच्छ दूध उत्पादन, पर्यावरण एवं